

## उत्तराखण्ड की फूलों की घाटी

### चर्चा में क्यों?

उत्तराखण्ड में फूलों की घाटी पर्यटकों के लिये 1 जून से खुल रही है। यह उत्तराखण्ड के नंदा देवी बायोस्फीयर रज़िर्व के भीतर स्थित है, जसि वर्ष 2005 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) विश्व धरोहर के रूप में शामिल किया गया था।

### प्रमुख बटु:

- फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान में **हिमालय की 300 से अधिक देशी फूलों की प्रजातियाँ** हैं, जो जून से नवंबर तक मानसून के मौसम में देखी जा सकती हैं।
- इसमें **300 से ज्यादा तरह की पुष्प प्रजातियाँ** शामिल हैं, जैसे- एनीमोन, गेरेनियम, ब्लू पॉपी और ब्लूबेल। यह गुरे लंगूर, उड़ने वाली गलिहरी, हिमालयन वीज़ल, काला भालू, लाल लोमड़ी, लाइम ततिली, हमि तेंदुआ तथा हिमालयन मोनाल जैसी दुर्लभ पशु प्रजातियों का नवास स्थल है।

### बायोस्फीयर रज़िर्व

- बायोस्फीयर रज़िर्व (BR) प्राकृतिक और सांस्कृतिक परदृश्य के प्रतिनिधि भागों के लिये संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय पदनाम है जो स्थलीय या तटीय/ समुद्री पारस्थितिक तंत्र या इसके संयोजन के बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है
- बायोस्फीयर रज़िर्व प्राकृतिक संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक विकास एवं संबंधित सांस्कृतिक मूल्यों के रखरखाव को संतुलित करने का प्रयास करता है
- इस प्रकार बायोस्फीयर रज़िर्व लोगों और प्राकृतिक दोनों के लिये विशेष वातावरण है तथा यह इस बात का जीवंत उदाहरण है कि कैसे मनुष्य एवं प्राकृतिक एक-दूसरे की ज़रूरतों का सम्मान करते हुए सह-अस्तित्व में रह सकते हैं।